[डॉ० बापू कलदाते]

अब यह सरकार सीज कर रही है। उसको कब छोड़ने वाली है, पकड़कर कितने दिन तक रखने वाली है, इसका मुझे पता नहीं लगता है। मैं बिल्कुल साफ कह दे रहा हूं। अगर सरकार नहीं चाहती है तो न कह दे। Then the people will show them their right place. अगर करना चाहती है तो तुरन्त करे। जैसे कि अभी फाइनेंस मिनिस्टर के एक शब्द पर हम आपत्ति उठा रहे थे कि—फ्राड ब्यूरो। अप उनको फ्राड ब्यूरो जब तय होगा तब होगा लेकिन होम मिनिस्ट्री "धोकाधड़ी" का केस हमारे बारे में न करे। इसलिए आग्रह कर देना चाहता हूं और यह मांग करता हूं कि जो आपने मान लिया है तो उसको तुरन्त अमल में लाने का आप प्रयास नहीं, लेकिन तुरन्त कार्यवाही करें। धन्यवाद

श्री बिठ्ठलराव माधवराव जाधव (महाराष्ट्र): महोदय, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं। इसके बारे में मैं इस सदन के अंदर एक बिल लाया था। बापू जी उससे पहले रिजोल्यूशन लाये थे। महाराष्ट्र विधान सभा और विधान परिषद् ने एक मुख्य उसका ठहराव किया है। उसके बाद जूद भी भी माननीय गृह मंत्री का एक ऑपिनियन है कि विधान सभा के अधिकारों पर अतिक्रमण हो जायेगा। हमने कहा कि कांस्टीट्यूशन में चेंज करना यह आपके हाथ में है। उसका कोई अतिक्रमण न हो, ऐसी कोई व्यवस्था लेकर इस कांस्टीटयूशन में चेंज करके मराठवाड़ा विदर्भ और के लिए जल्दी से जल्दी यह संवैधानिक मंडलों की नियुक्ति की जाए। माननीय नरसिंह राव जी और माननीय चव्हाण जी दोनों ही समस्या को जानते हैं। जवाब तो एक ही आता है, सब जानते हैं समस्या को। यह महाराष्ट्र के जीवन का, मरण का एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है और उसके बारे में नरसिंह राव जी की सरकार जल्दी से जल्दी कोई निर्णय ले और महाराष्ट्र को न्याय दिलाये, यह मैं आपसे मांग करता हूं और मैं अपने आपको बापू जी से एसोशिएट करता हूं।

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र): मैं भी इससे अपने को सम्बद्ध करना चाहता हूं।

...(व्यवधान)

Increasing Atrocities on womtn in Tripura

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करती हूं। मैं अपने इस विशेष उल्लेख के जरिए त्रिपुरा में पिछले चार वर्षों से वहां के महिला समाज पर जो अकथनीय जुल्म हो रहे हैं उनकी ओर इस सदन का और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझे त्रिपुरा को गणतांत्रिक नारी समिति त्रिपुरा द्वारा के दौरे पर गए हुए राष्ट्रीय महिला आयोग को दिया गया एक ज्ञापन मिला है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह ज्ञापन पिछले 4 वर्षों से कांग्रेस आई और टी यू जे एस के शासन के अंतर्गत जो वहशी जुल्म वहां के महिला समाज पर चल रहा है, उसे देखकर शायद वह शियन भी कांप जाए, उसकी भी रूह कांप जाए

उपसभाध्यक्ष महोदय, यह जो ज्ञापन है, यह ज्ञापन कांग्रेस आई और टी यू जे एस के चार वर्षों का वह काला कारनामा है जिसकी मिसाल हमें इतिहास में नहीं मिलती। उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं यह मामला इसलिए उठाना चाहती हूं कि यह कोई साधारण मामला नहीं है। महिलाओं पर सामाजिक अत्याचार और जुल्म का सामान्य मामला नहीं है। राजनीतिक प्रतिशोध और प्रतिहिंसा का निशाना आज त्रिपुरा की उन महिलाओं को बनाया जा रहा है, जिनका अपराध सिर्फ यह है कि उन्होंने खुद को वामपंथी राजनीती के साथ जोड़ा है...

(व्यवधान)

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश): पश्चिम बंगाल में जो हो रहा है उस पर भी बोलिए।

पश्चिम बंगाल की महिलाओं से हमदर्दी नहीं है आपको .... **(व्यवधान)** ...

श्रीमती सरला माहेश्वरी : जरूर, जरूर ... **(व्यवधान)**

श्री अजीत जोगी : अपनी आंख की पट्टी पहले खोलिए.. **(व्यवधान)** पश्चिम बंगाल में महिलाओं पर जो अत्याचार हो रहा है.... **(व्यवधान)**

SHRI ASHIS SEN (West Bengal) : Will she Vice-Chiarman prevent them from disturbing her ? I think she must have the freedom to speak. He can speak afterwards. Don't mix up Tripura with West Bengal .... *(Interruptions')* ... Will you kindly stop him ? Let her speak first. He can speak afterwards. He should not interrupt her like this.

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिम बंगाल) आपको मालूम है पश्चिम बंगाल क्या है जोगी जी ....**(व्यवधान)** बंगाल में महिलाओं को किस तरह से देखा जाता है. . **(व्यवधान)**

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव (महाराष्ट्र): आपको पश्चिम बंगाल की बात कहने पर गुस्सा क्यों आता है .... **(व्यवधान)**

The VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA) : We have other business.

श्रीमति सरला माहेश्वरी : आपकी राजनीति जो महिलाओं का दोहन कर रही है उसके खिलाफ राजनीति हो रही है ...**(व्यवधान)**

SHRI SUDHIR RANJAN MAJUMDAR (Tripura) : All these allegations which they are making are false allegations.............. *(Interruptions)* ....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA) : Mr. Salim, instead of helping her. you are unnecessarily disturbing her.

श्रीमति सत्य बहिन (उत्तर प्रदेश) : महिला मंत्री के ऊपर हमला किया जाता है । महिला-मंत्री तक सुरक्षित नहीं है वहां पर । महिला मंत्री पर दो दो बार हमला हो चुका है ... **(व्यवधान)**

श्रीमति सरला माहेश्वरी : उपाध्यक्ष महोदय, त्रिपुरा की विधानसभा में वहां के गृह मंत्री ने जो बयान दिया है, माननीय भूतपूर्व मुख्यमंत्री शायद उससे अवगत होंगे त्रिपुरा की सरकार को, यह मानना पड़ा सुप्रीम कोर्ट की राय को उसके बाद नकारने की हिम्मत है ? इस तरह की राजनीति हम नहीं करते । न तो हमें महिलाओं के शोषण और दोहन पर अपनी राजनीती करनी है । हमें राजनीति करनी है तो सिर्फ आम मेहनतकश अवाम के अधिकारों के लिए करनी है । इसलिए मैं चाहूंगी अपने सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्यों से और उनकी महिलाओं से कि सच्चाई को सामने आने दीजिए और सच्चाई क्या है ? अगर हमारा यह सदन सच्चाई जानना चाहता है, मुझे खुशी है कि हमारे गृह मंत्री आ चुके हैं और मंत्री खुद इस बात से अवगत हैं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री ऐच० हनुमनथप्पा) अपने स्टेटमेंट के लिए आए हैं । आप खत्म कीजिए ।

श्रीमति सरला माहेश्वरी : मुझे मालूम है । सिर्फ गृह मंत्री जी से प्रमाणित करना चाहती हूं । अतीत में भी यह बात प्रमाणित हो चुकी है । यशवंत सिन्हा जी के नेतृत्व में एक कमेटी गई थी और मैं गृह मंत्री जी से निवेदन करूंगी कि राष्ट्रीय महिला आयोग जो त्रिपुरा के दौरे पर गया था, उसकी रिपोर्ट वह मांग सकते हैं जो त्रिपुरा की जनतांत्रिक नारी समिति ने राष्ट्रीय महिला आयोग को दी है उस ज्ञापन को देख कर हमारे गृह मंत्री की और सत्तारूढ़ पक्ष के सदस्यों की आंखें खुल जाएंगी । ....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA) : Cross-talks will not go on record.

SHRI SUDHIR RANJAN MAJUMDAR : *

SHRI MD. SALIM : *

---

*Not recorded.

श्रीमति सरला माहेश्वरी : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं जिस बात को बताना चाहती हूं, जिन आंकड़ों को आप नकार रहे हैं उनके बारे में बतानी चाहती हूं कि पिछले ढाई वर्षों में 3600 घटनाएं महिलाओं पर अत्याचारों की हुई हैं जो अपने आप में एक वर्ल्ड रिकार्ड है.. (**व्यवधान**)

SHRl M. D. SALIM*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIN H. HANUMANTHAPPA) : Will you please sit down ? Nothing is going on record. Mr. Salim, you are thinking that you are helping your friend. On the other hand, you are only disturbing her. If you really intend helping her, please keep quiet.

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): *

SHRI MD. SALIM : *

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA) : Mr. Salim, nothing is going on record. Why are you shouting ? Please sit down. I am calling the next speaker.

श्रीमती सरला माहेश्वरी : इसलिए मेरा सरकार से आग्रह है कि त्रिपुरा के मामले की जांच करने के लिए एक सुयुक्त संसदीय समिति भेजी जाए ताकि सच्चाई हमारे सामने आए। मैं गृह मंत्री से अपील करूंगी कि वह इस बात की खुद तहकीकात करें और जल्दी से जल्दी वहां संयुक्त पार्लियामेंटरी कमेटी भेजें ताकि सच्चाई सामने आ जाए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA) : Shri Karma Topdcn.

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar) : .... I support the demand.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA) : T have called the next speaker.

Deployment of Army ,4 the Rumtek Monastery to Sikkim

SHRI KARMA TOPDEN (Sikkim) : I thank you, Mr. Vice-Chairman. Sir, the mildness with which I speak should not lessen the seriousness of the matter I seek to mention; nor should it be interpreted as lacking in fervour on my part. For me it s a sad moment when I rise to bring to your attention, and through you to the attention of this august House, the violation of our Constitution that took place in Sikkim on 11 th June, a few weeks ago. On that unfortunate day, the Tndian army stationed in Sikkim for the defence of our borders against enemy attack, moved into the Dharma Chakra Centre, a Buddhist Monastery, in Rumtek, a few miles outside (i.ingtok, the Capital of Sikkim, on the plea of protecting a High Incarnate Lan-a, a Buddhist monk, of the Monastery, at the behest, we are told, of an official of the External Affairs Ministry. Sir.

5.00 P.M.

you are aware that under our Constitution, the maintenance of law and order in a State is the responsibility of the State Government. The Central Government cannot interfere in this with out going through the due process of law. *{Time Bell).* This is a very serious matter. Kindly give me time. Sadly, neither been informed nor consulted about the posting of the army at Rumtek Monastery. More over, there was no break-down of law and order in the State. Sikkim is not a disturb ed area where extremists and terrorists are operating. No type of emergency existed in the State. On the contrary, Sikkim is a very peaceful State where cases of police firing and lathi-charge are unheard of. Yes, there was some form of tension existing at the Rumtak Monastery around that time due to differences between the High incar nate Lamas of the Monastery over the identification of the new Incarnate of His late Holiness, the Karmapa Lama, the head. , of the sect there. It is also true that rumours were being spread ....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI H. HANUMANTHAPPA) : You can send the details to the Home Ministry.

SHRl KARMA TOPnrN : Because of these differences between the authorities of -the Monastery, there were likely to be clashes between the opposing parties. Nevertheless, the atmosphere at the Monastery was generally peaceful and the situation was'

*Not recorded.